हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, शुक्रवार 23 जनवरी 2026

13 बीआर ज्ञानदीप हैप्पी स्कूल व डीएवी स्कूल में बसंत पंचमी पर्व मनाया

14 6 कांफ्रेंस हॉल में 3-3 समानांतर तकनीकी...

कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने की मांग, किया प्रदर्शन

ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी के विरोध में निगम कर्मियों ने की भूख हड़ताल

- संगठन ने की हरियाणा बिजली निगमों में आदर्श ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी लागू नहीं करने की मांग

नारनौल। धरने के दौरान नारेबाजी करते बिजली निगम कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

सर्व कर्मचारी संघ से संबंधित एएचपीसी वर्कर यूनियन यूनिट के पदाधिकारी व सक्रिय कार्यकर्ताओं ने सिंघाना रोड कार्यकारी अभियंता कार्यालय पर 11 बजे से शाम चार बजे तक भूख हड़ताल की गई। जिसकी अध्यक्षता यूनिट प्रधान विरेंद्र यादव ने की।

संचालन वरिष्ठ उपप्रधान सुरेंद्र सैनी ने किया। भूख हड़ताल में कर्मचारियों को संबोधित करते हुए सर्कल सचिव किरोड़ीमल सैनी एवं नवीन कुमार यादव ने कहा कि निगम मैनेजमेंट व हरियाणा सरकार की कर्मचारी विरोधी नीतियों तथा ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी व माननीय कोर्ट के आदेशानुसार कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने और पुरानी पेंशन बहाल करने व अन्य मांगों को लेकर प्रदर्शन किया।

कर्मचारी नेताओं ने कहा कि बिजली विभाग एक संवेदनशील विभाग है, जिसमें तकनीकी कर्मचारियों की ट्रांसफर पॉलिसी के कारण कर्मचारियों की बिजली से दुर्घटनाएं बढ़ेंगी और बिजली आपूर्ति भी बाधित होगी, जिससे आमजन को नुकसान होगा। प्रदर्शन में अन्य कर्मचारी भूपेंद्र यादव, हरिओम यादव, सुमेर सिंह यादव, कमल सैनी, समेश यादव, सतेंद्र यादव, दीपक यादव, प्रवीण कुमार और आशुतोष सैनी आदि भूख हड़ताल शामिल हुए। कार्यकारी अभियंता ऑपरेशन के माध्यम से बिजली मंत्री के नाम एक ज्ञापन प्रेषित किया गया, जिसमें संगठन ने हरियाणा बिजली निगमों में आदर्श ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी लागू नहीं करने की मांग की है।

पॉलिसी लागू होने पर गंभीर दुष्परिणाम आएंगे सामने

सर्कल सचिव किरोड़ीमल सैनी ने बताया कि गत 23 मई 2025 को उक्त नीति लागू की गई, जिसे एक जुलाई 2025 को प्रबंध निदेशकों की समन्वय समिति द्वारा बिजली निगमों में लागू कर दिया गया है। निगम की कार्यप्रणाली क्षेत्र विशेष की विद्युत संरचना, ट्रांसमिशन लाइनों, सब स्टेशनों एवं उपकरणों की गहरी जानकारी पर आधारित है। लाइनमैन, जेई, क्लर्क आदि कर्मचारियों को उनके क्षेत्र की तकनीकी विशेषताओं का विस्तृत अनुभव होता है, जो सुरक्षा एवं कार्यकुशलता के लिए अत्यंत आवश्यक है। यदि इस निगम में आदर्शन ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी लागू की जाती है तो इसके गंभीर दुष्परिणाम सामने आ सकते हैं। इससे तकनीकी कार्यों में बाधा आएगी और दुर्घटनाएं बढ़ने का खतरा रहेगा। इसलिए इस ट्रांसफर पॉलिसी को बिजली निगमों में लागू नहीं किया जाए।

आज कांटी में बाबा नृसिंहदास का मेला

मंडी अटेली। खंड के गांव कांटी में स्थित बाबा नृसिंहदास का धाम हजारों श्रद्धालुओं के लिए सालों बाद भी श्रद्धा और अटूट विश्वास का केंद्र बना हुआ है। 23 जनवरी को मेले में कबड्डी एवं कुश्ती दंगल का भी आयोजन किया जाएगा। मेला कमेटी के सदस्यों ने बताया कि मेले में 11 सौ रुपये से ऊपर की कुश्तियां में बराबर पर छूटने पर पहलवानों को उचित इनाम दिया जाएगा। मेले में नेशनल कबड्डी में प्रथम विजेता टीम को 11 हजार, द्वितीय 51 सौ, तृतीय 31 सौ, चतुर्थ 21 सौ रुपये नगद पुरस्कार दिया जाएगा।

बोचड़िया गांव में केबल चोरी

मंडी अटेली। अटेली थाना क्षेत्र के गांव बोचड़िया में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। ताजा मामले में बोचड़िया निवासी किसान सुखीराम की ट्यूबवेल से अज्ञात चोरों द्वारा केबल चोरी करने का मामला सामने आया है। जिसको लेकर अटेली पुलिस थाना में शिकायत दर्ज कराई गई है। गांव के सरपंच शेरसिंह के अनुसार शाम सफेद रंग की मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक चलती हुई लाइन से ट्यूबवेल का केबल काटकर फरार होने लगे। ग्रामीणों के शोर मचाने पर आरोपित अपनी मोटरसाइकिल छोड़ गए।

मिर्जापुर-बाछौद हवाई पट्टी पर हैंगर और एटीसी भवन का होगा निर्माण: आरती

लगभग 14 करोड़ की राशि हुई स्वीकृत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

अटेली व नारनौल के बीच स्थित मिर्जापुर-बाछौद हवाई पट्टी पर नए हैंगर एवं एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) भवन का निर्माण होगा। इसके लिए लगभग 14 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा में हवाई क्षेत्र में भी ढांचागत सुविधाएं बढ़ाने पर पूरा फोकस किया गया है।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि इस परियोजना के तहत एटीसी भवन निर्माण के लिए लगभग 5.81 करोड़ तथा अतिरिक्त हैंगर निर्माण के लिए लगभग 8.21 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है। कुमारी आरती सिंह राव ने बताया कि यह निर्माण कार्य लोक निर्माण विभाग पीडब्ल्यूडीए बी एंड आर के माध्यम से पूरा किया जाएगा तथा सभी प्रक्रियाओं को पूर्ण करते हुए कार्य को चरणबद्ध ढंग से पूरा किया जाएगा।

क्षेत्र की हवाई कनेक्टिविटी होगी बेहतर

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सिविल एयरोड्रोम का विकास न केवल क्षेत्र की हवाई कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगा, बल्कि भविष्य में औद्योगिक विकास, आपातकालीन सेवाओं, प्रशासनिक गतिविधियों व निवेश और रोजगार के नए अवसरों के सृजन में भी सहायक सिद्ध होगा। यह परियोजना दक्षिण हरियाणा के समग्र विकास को एक नई दिशा देगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार संतुलित व समावेशी विकास के लक्ष्य के साथ हर क्षेत्र में आधारभूत संरचनाओं को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

आरती राव आज करेंगी जिले का दौरा

मंडी अटेली। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव 23 जनवरी को अटेली क्षेत्र गांवों में धन्यवाद कार्यक्रम करेंगी। ग्रीवेंस कमेटी सदस्य विजय उर्फ सोनू दौंगड़ा अहीर ने बताया कि स्वास्थ्य मंत्री 23 जनवरी को जिले का दौरा करेंगी। सुबह 10 बजे बार एसोसिएशन महेंद्रगढ़ में अधिवक्ताओं से संवाद स्थापित करेंगी। उसके बाद सुबह साढ़े 10 बजे सरकारी स्कूल दौंगड़ा अहीर में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुक्त बिजली योजना जन जागरूकता अभियान को संबोधित करेंगी। वहीं साढ़े 11 बाबा भैया मंदिर दौंगड़ा अहीर, दोपहर 12 बजे ग्रामीण पार्क मोहम्मदपुर धन्यवाद कार्यक्रमों को संबोधित करेंगी। उसके बाद साढ़े 12 बजे अटेली स्थित कार्यालय में विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगी। वहीं अंत में एक बजे पंचायत घर गांव अटेली में धन्यवाद कार्यक्रम पहुंचेगी।

एसपी पूजा वशिष्ठ ने लिया स्थल का सुरक्षा जायजा

श्रीरामकथा में सुरक्षा के लिए 8 कंपनियां तैनात, बाहर से बुलाई गई अतिरिक्त फोर्स, भव्य शोभायात्रा आज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

जोरासी धाम में आयोजित होने वाली भव्य श्रीराम कथा व शोभायात्रा को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। इसी कड़ी में पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने रामकथा स्थल का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। एसपी पूजा वशिष्ठ ने आयोजन स्थल पर आने-जाने के सभी मार्गों, पार्किंग व्यवस्था, नाकाबंदी प्वाइंट, एंट्री एग्जिट और भीड़ प्रबंधन को लेकर अधिकारियों को स्पष्ट दिशा निर्देश दिए।

एसपी पूजा वशिष्ठ ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था को लेकर वीरवार को एक ट्रायल रन किया गया, जबकि शुक्रवार को फाइनल रिहर्सल आयोजित की जाएगी। इसमें शोभायात्रा मार्ग, कथा स्थल, पार्किंग और डायवर्जन रूट पर फोर्स की तैनाती को परखा जाएगा, ताकि कार्यक्रम के दौरान किसी तरह की अव्यवस्था न हो।

श्रीराम कथा व शोभायात्रा को लेकर जिले में कुल आठ कंपनियों की तैनाती की गई है। इसके अलावा सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए तीन अतिरिक्त कंपनियां बाहर से बुलाई गई हैं। यह अतिरिक्त फोर्स पलवल, रेवाड़ी व नूंह जिलों से मंगवाई गई है, जिन्हें संवेदनशील स्थानों, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों व प्रमुख नाकों पर तैनात किया जाएगा। इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता व पूर्व चेयरमैन गोविंद भारद्वाज, धर्मवीर पिलानिया, सुधीर चौधरी, ऋतुराज, मंदीप पान्नू, अमित, विक्रम सांगवान, पंकज पिलानिया, नीरज बैनीवाल, कार्यक्रम के मीडिया प्रभारी कपिल भारद्वाज आदि मौजूद थे।

नारनौल। हनुमान गढ़ी से बाछौद हवाई पट्टी पहुंचे महंत ज्ञानदास महाराज। फोटो : हरिभूमि

जगतगुरु स्वामी रामभद्राचार्य शोभायात्रा में होंगे शामिल

आर्यवर्त सेवा न्यास के संस्थापक विनीत पिलानिया की ओर से आयोजित होने जा रही भव्य श्रीराम कथा से पूर्व शहर में शुक्रवार को दिव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। इस शोभायात्रा के साथ ही श्रीरामकथा महोत्सव का औपचारिक शुभारंभ हो जाएगा। आर्यवर्त सेवा न्यास के संस्थापक विनीत पिलानिया ने बताया कि शोभायात्रा को लेकर पूरे शहर में उत्साह का माहौल है। श्रद्धालु बड़ी संख्या में इसमें शामिल होने की तैयारी कर रहे हैं। कार्यक्रम के मीडिया प्रभारी कपिल भारद्वाज ने बताया कि शोभायात्रा सुबह 10 बजे हुडा सेक्टर स्थित चमत्कारी बालाजी मंदिर से प्रारंभ होगी। यहां से यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होती हुई श्री श्याम मंदिर जोरासी धाम पहुंचेगी। जहां रामकथा स्थल पर इसका समापन होगा। यात्रा मार्ग को विशेष रूप से सजाया गया है। वही आसमान से भी हेलीकाप्टर द्वारा शोभायात्रा पर पुष्प वर्षा पूरे रास्ते भर की जाएगी। देश विदेश में विख्यात जगतगुरु स्वामी श्रीरामभद्राचार्य महाराज श्रद्धालुओं को श्रीराम कथा का रसपान कराएंगे। यह कथा 30 जनवरी तक चलेगी, जिसमें दूरदराज से श्रद्धालु पहुंचेंगे।

चरम पर धार्मिक उत्साह

रामकथा में शिरकत करने के लिए अनन्त समलाकृत गो संतसेवी वैष्णव कुलभूषण, धर्ममाट अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के पूर्व अध्यक्ष एवं श्री हनुमानगढ़ी से जुड़े महंत ज्ञानदास महाराज नारनौल पहुंचे। महंत ज्ञानदास महाराज के पहुंचने पर जगतगुरु स्वामी वैदेही वल्लभदेवाचार्य महाराज ने बाछोद हवाई पट्टी पर पहुंचकर उनका स्वागत किया। श्रीश्याम मंदिर स्थित जोरासी धाम में 23 से 30 जनवरी तक भव्य श्रीराम कथा का आयोजन किया जाएगा। इस धार्मिक आयोजन के अंतर्गत 151 कुंडीय सहस्त्र चंडी महायज्ञ भी संपन्न होगा।

झांकियां रहेंगी आकर्षण

शोभायात्रा में धार्मिक आस्था व भारतीय संस्कृति का भव्य संगम देखने को मिलेगा। इसमें भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण व हनुमान जी की मनोहारी झांकियां सुसज्जित रथ और धार्मिक प्रतीकों से सजे वाहन, घोड़े, ऊंट व हाथी, पारंपरिक बैंड बाजे, ढोल नगाड़े, भजन मंडलियां राम नाम के जयघोष करते श्रद्धालु, संत महात्मा, महिलाएं, युवा व बच्चे शोभायात्रा के दौरान पूरा शहर राममय वातावरण में डूबा नजर आएगा।

रामकथा को लेकर पुलिस मुस्तैद

श्रीरामकथा व 151 कुंडीय सहस्त्र चंडी महायज्ञ के दृष्टिगत पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। आयोजन को शांतिपूर्ण व व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए 500 से अधिक पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को तैनात किया गया है। यातायात व्यवस्था को बाधित होने से बचाने के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर नाके लगाए गए हैं व रूट डायवर्जन किया गया है। नारनौल की तरफ से निजामपुर जाने वाले वाहन अब मांदी से होते हुए 200 फुटा रोड हब के रास्ते निजामपुर की ओर प्रस्थान करेंगे। वहीं दूसरी ओर निजामपुर से नारनौल आने वाले वाहनों को नेशनल हाईवे 148 बी से होते हुए नीरपुर बाईपास से रेवाड़ी की तरफ व इसी बाईपास से लहरोदा चौक से महेंद्रगढ़ की तरफ भेजा जाएगा।

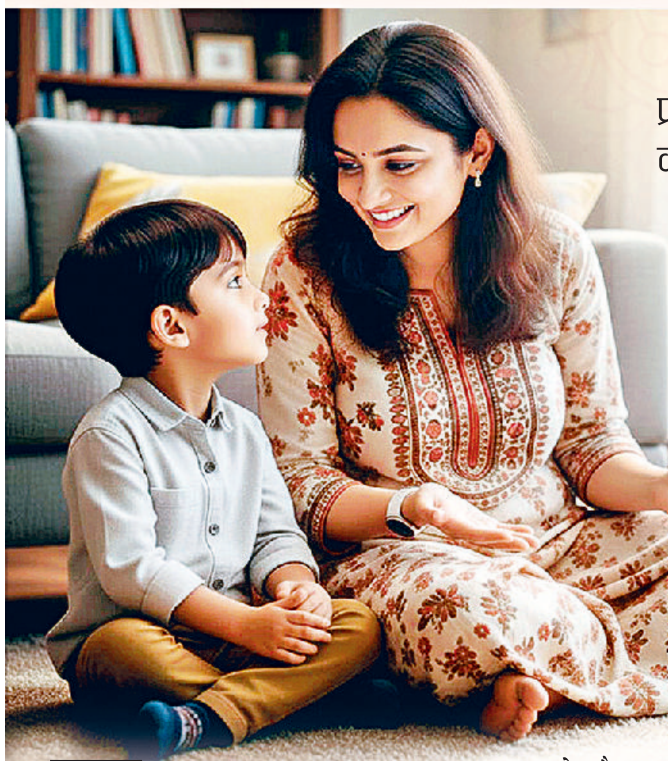

हर देश का अपना एक राष्ट्रगान, राष्ट्रीय ध्वज होता है। साथ में राष्ट्रगीत और कुछ राष्ट्रीय प्रतीक भी होते हैं। इसके साथ राष्ट्रीय पशु-पक्षी और फूल भी होते हैं। इन सबके बारे में नंदन को उसकी दीदी, मां-पिता और टीचर ने विस्तार से जानकारी दी। इनके बारे में जानकर नंदन को अपने देश पर बड़ा गर्व महसूस हुआ। बच्चो, तुम भी जानो इन सबके बारे में।

देश की शान-पहचान हमारे राष्ट्रीय प्रतीक

ज्ञान वार्ता
विमला भंडारी

नंदन को स्कूल से पुस्तकें मिली थीं। वह बिस्तर पर लेटा हुआ उन्हें उलट-पुलट कर देख रहा था। पुस्तक के अंतिम पृष्ठ पर लिखी पंक्तियां वह गुनगुनाने लगा, 'जन-गण-मन अधिनायक जय हे भारत भाग्य विधाता...।'

राष्ट्रगान का करो सम्मान: नंदन के कमरे के सामने से गुजरती दीदी ने जब अपने छोटे भाई को लेटे-लेटे राष्ट्रगान गाते सुना तो उन्होंने टोका, 'नंदन, यह क्या? राष्ट्रगान को इस तरह लेटकर नहीं गाया जाता।' 'क्यों दीदी?' नंदन ने उठकर बैठते हुए उत्सुकतापूर्वक दीदी से पूछा। 'अरे, तुम्हें इतना भी नहीं पता! राष्ट्रगान को हमेशा सावधान की मुद्रा में खड़े होकर खुले आसमान के नीचे राष्ट्रध्वज के सामने गाया जाता है।' दीदी ने बताया। 'अगर लेटकर, बैठकर या चलते हुए गाएं तो दीदी?' नंदन ने आगे पूछा। 'नहीं, इससे हमारे राष्ट्रगान का अपमान होता है। राष्ट्रगान का सम्मान करना हमारे देश प्रेम की भावना को प्रकट करता है। अब कभी-भी कहीं भी चलते या बैठे हुए तुम्हारे कानों में यदि राष्ट्रगान की धुन भी सुनाई पड़ जाए, तो तुरंत वहीं ठहरकर सावधान की मुद्रा में खड़े हो जाना। फिर गान की समाप्ति पर श्रद्धा से शीश झुका देना, यह तुम्हारा मातृभूमि को किया गया नमन होगा।' दीदी ने नयन को समझाया।

'ओह दीदी! अनजाने में कितनी बड़ी गलती कर बैठा मैं।' नयन ने अपने माथे पर हाथ रखते हुए कहा। 'अच्छा नंदन, अब मैं चलती हूं। आज शाम को मैं तुम्हें राष्ट्रीय चिन्हों से संबंधित बातें बताऊंगी। अभी मुझे अपने स्कूल जाना है। तुम तो देर से निकलोगे, क्योंकि तुम्हारा स्कूल तो पास में ही है।' दीदी ने अपना बैग समेटते हुए कहा और नंदन को 'बाय' करके अपने स्कूल चली गईं।

जानो अपने राष्ट्रीय चिन्ह: दीदी की बातें सुनकर नंदन की उत्सुकता बढ़ गई थी। वह दौड़ा-दौड़ा मां के पास आकर बोला, 'मां-मां, मुझे राष्ट्रीय चिन्हों के बारे में बताओ न!'

'अभी बताती हूं, पहले मेरे पर्स से एक नोट लेकर आओ।' मां बोलीं। नंदन ने मां को एक नोट लाकर दिया। मां बताने लगीं, 'यह देखो नंदन, हमारा राष्ट्रीय चिन्ह जो कि वाराणसी के पास सारनाथ में सम्राट अशोक द्वारा बनाए गए 'सिंह स्तंभ' से लिया गया है। और ये देखो, नीचे की इस चौरस पट्टी के बीच एक चक्र बना हुआ है, जिसके दाईं ओर सांड और बाईं ओर घोड़े का चित्र बना हुआ है। बीच में देखो, 'सत्यमेव जयते' लिखा हुआ है, जो हमारे राष्ट्र का आदर्श वाक्य भी है। 'सत्यमेव जयते' का अर्थ है-सत्य की हमेशा विजय होती है। यही चक्र तुम तिरंगे झंडे में भी देखते हो...।' मां ने बताया।

तीन रंगों वाला हमारा राष्ट्रीय ध्वज: बात जब तिरंगे झंडे की आई तो नंदन झट से बोला, 'हां मां, झंडे के तीनों रंग मुझे मालूम हैं। सबसे ऊपर केसरिया, बीच में सफेद और नीचे हरा।'

'हां, राष्ट्रीय ध्वज की सफेद पट्टी पर नीले रंग का यह चक्र बना हुआ है। जिसे अशोक चक्र कहते हैं। यह हमारी प्रगति का सूचक है। तिरंगे के सभी रंग अपने अंदर संदेश समाहित किए हुए हैं।' तभी पापा ने उसे अपने पास बुलाया, 'इधर आओ नंदन, मैं तुम्हें बताता हूं।' पापा ने नंदन को अपने बगल में बैठाया और बोले, 'झंडे के ऊपर का केसरिया रंग हमारी वीरता का प्रतीक है। यह रंग हमें संदेश देता है कि हम हमारे वीरों की भांति अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहें। सफेद रंग शांति का प्रतीक है, जो विश्व में शांति का संदेश देता है। हरा रंग हमारी समृद्धि और खुशहाली का प्रतीक है।' नंदन ने अपने पापा की सारी बातें बहुत ध्यान से सुनीं। उसके स्कूल जाने का समय हो चुका था, तैयार होकर वह स्कूल के लिए निकल पड़ा।

राष्ट्रगान और राष्ट्रीय गीत के रचयिता: नंदन स्कूल आया तो वहां प्रार्थना के बाद राष्ट्रगान गाया गया। अपनी क्लास में पहुंचकर नंदन सभी बच्चों को राष्ट्रीय चिन्ह और ध्वज के बारे में बताने लगा। इतने में क्लास टीचर ने प्रवेश किया। उन्होंने अंदर आते समय नंदन की कुछ बातें सुन ली थीं। सभी बच्चों ने खड़े होकर उनका अभिवादन किया। 'अच्छा बच्चो, क्या तुम बता सकते हो कि हमारे राष्ट्रगान के रचयिता कौन थे?' क्लास टीचर के इस प्रश्न पर पूरी कक्षा मौन हो गई। टीचर ने बताया, 'रवींद्रनाथ टैगोर, राष्ट्रगान के रचयिता थे। उन्होंने यह गीत 1912 में लिखा तथा इसे राष्ट्रगान के रूप में 24 जनवरी 1950 को स्वीकार किया गया। इसी तरह बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा रचित गीत 'वंदे मातरम्' को राष्ट्रीय गीत के रूप में मान्यता मिली है।'

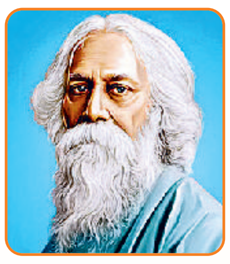

अपने राष्ट्र के महत्व की इतनी सारी रोचक और महत्वपूर्ण जानकारी पाकर नंदन, बहुत खुश और गौरवान्वित महसूस कर रहा था। *

राष्ट्रीय पक्षी, पशु और फूल

घर आने के बाद नंदन दीदी के स्कूल से लौटने का इंतजार करने लगा। वह सोच रहा था कि आज मालूम पड़ी सारी नई जानकारियां बताकर दीदी को चौंका देगा। लेकिन हुआ इसका उल्टा। जब दीदी ने उससे राष्ट्रीय पक्षी, राष्ट्रीय पशु और राष्ट्रीय फूल के बारे में पूछा तो वह नहीं बता पाया। अभी इनके बारे में तो जानना बाकी ही था! दीदी ने नंदन को बड़े प्यार से बताया कि अपना राष्ट्रीय पक्षी मोर, राष्ट्रीय पशु बाघ और राष्ट्रीय फूल कमल है।

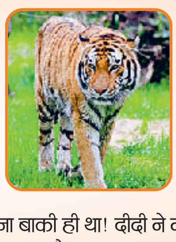

कविता / सूर्यकुमार पांडेय

धम्मक-धम्मक-धम

आई है छब्बीस जनवरी,
खुशियों का आलम।
लहर रहा हर ओर तिरंगा,
फहर रहा परचम।
धम्मक-धम्मक-धम।
धम्मक-धम्मक-धम।
संविधान की रक्षा की,
खाते हैं आज कसम।
'जन-गण-मन' के साथ गा रहे,
'वंदे मातरम्' हम।
धम्मक-धम्मक-धम।
धम्मक-धम्मक-धम।
देश हमारा दिन-दिन विकसित,
करें सभी परिश्रम।
शांति-अहिंसा वाला मौसम,
बना रहे हरदम।
धम्मक-धम्मक-धम।
धम्मक-धम्मक-धम।

कविता / राजेंद्र श्रीवास्तव

गाओ वंदे मातरम्

गाओ वंदे मातरम्
गाओ वंदे मातरम्।
राष्ट्रगीत के बोल निराले।
मन में ओज जगाने वाले।
मनभावन लय स्वर सरगम।
गाओ वंदे मातरम्।
जननी जन्मभूमि की जय हो।
जग में यश अनंत अक्षय हो।
सुखदाई शुभ सुंदरम्।
गाओ वंदे मातरम्।
आओ मिलकर कदम बढ़ाएं।
भारत माता का यश गाएं।
ध्वज निर्भय फहराएं हम।
गाओ वंदे मातरम्।

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

देशभक्ति बाल कविताएं

बच्चो, हाल में छपकर आई 'हम हैं सैनिक भारत के' किताब में 101 देशभक्ति की भावना से भरी हुई कविताएं संकलित हैं। इसके रचनाकार डॉ. वेद मित्र शुक्ल हैं। इस किताब में ज्यादातर कविताएं, भारत के वीर सैनिकों, स्वाधीनता सेनानियों और भारतीय सेना के अदम्य साहस पर लिखी गई हैं। पहले खंड में तुम उन परमवीर चक्र विजेता सैनिकों के बारे में कविताएं पढ़ सकते हो, जिन्होंने अलग-अलग युद्धों में अदम्य वीरता का परिचय दिया। इनके अलावा वीर सेनानी महापुरुष, भारत की सेनाएं, राष्ट्रीय पर्व, प्रयाण गीत समेत कुछ अन्य खंडों में भी ओज से भरी अनेक देशभक्ति की कविताएं पढ़ सकते हो। बच्चो, इस किताब में संकलित देशप्रेम में रंगी इन प्यारी-प्यारी कविताओं को पढ़कर निश्चित ही तुम्हारे मन में देशभक्ति की भावना का संचार होगा। तुम भी अपने देश के विकास और उसकी सुरक्षा में अपना योगदान देने के लिए प्रेरित होगे। *

किताब: हम हैं सैनिक भारत के (बाल कविताएं), **लेखक:** डॉ. वेद मित्र शुक्ल, **मूल्य:** 395 रुपए, **प्रकाशक:** सर्वभाषा प्रकाशन, नई दिल्ली

बूझो तो जानें

1
वर्ष के प्रथम माह में आती,
धूमधाम से मनाई जाती,
लागू हुआ इस दिन संविधान,
बढ़ाया हमारा मान-सम्मान।

2
तिरंगे की जो शोभा बढ़ाए,
गतिशीलता का प्रतीक बन जाए,
चौबीस तीलियां जिसमें समाएं,
बताओ बच्चो, वह क्या कहलाए।

3
एक रंग है साहस का,
दूजा शांति का कहलाता,
तीजा रंग है उर्वरता का,
देश की शान है माना जाता।

-नलिन खोईवाल

उत्तर : 1. 26 जनवरी, 2. अशोक चक्र, 3. तिरंगे के तीन रंग- केसरिया, सफेद और हरा

जीके क्विज-189

1. इस साल गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि कौन होंगे?
2. इस वर्ष कौन-सा गणतंत्र दिवस मनाया जा रहा है?
3. आज भारत के किस महान स्वाधीनता सेनानी की जयंती है?
4. भारतीय सेना दिवस कब मनाया जाता है?
5. हाल ही में सोमनाथ स्वाभिमान पर्व किस राज्य में मनाया गया?
6. भारत का संविधान किस वर्ष लागू हुआ था?
7. भारतीय संविधान की ड्राफ्टिंग कमिटी के अध्यक्ष कौन थे?
8. भारतीय संविधान में कितने मूल अधिकार शामिल हैं?
9. संविधान सभा के प्रथम अध्यक्ष कौन थे?
10. राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' किसने लिखा था?

बच्चो, जीके क्विज-189 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-188 का उत्तर : 1.उत्तर प्रदेश, 2.सोजर्ड मारिजने, 3.जस्टिस सूर्यकांत, 4.दिल्ली, 5.अल्बर्ट आइंस्टाईन, 6.अमेजन वर्षा वन, 7.महाराष्ट्र, 8.जम्मू कश्मीर, 9.सहारा, 10.जवाहरलाल नेहरू

जीके क्विज-188 का सही उत्तर देने वाले : कबीर-हिसार, ऊर्जस्वी-सारंगढ़ बिलाईगढ़, शुभम-दुर्ग, गुंजा-रायपुर, सचिन-बिलासपुर, हर्ष-रोहतक, रचित-बिलासपुर, काव्या-बेमेतरा, सूरज-रायगढ़, किंशुक-महासमुंद, प्राची-बालोद

कहानी
डॉ. अलका जैन 'आराधना'

हर बार बड़े उत्साह से वसंत पंचमी का उत्सव मनाने वाले सोहम का इस बार मन सही नहीं था। असल में उसके पास पहनने के लिए पीली ड्रेस नहीं थी। दोस्तों को जब यह बात पता चली तो उन्होंने सोहम को पीले रंग की छटा से ऐसा सजाया कि वह वसंत राजा बन गया। वासंती रंग में रंगी दोस्तों की एक प्यारी-सी कहानी।

वसंत राजा

हर साल वसंत पंचमी उत्सव में सबसे आगे रहने वाला सोहम इस बार शांत था। कॉलोनी के पार्क में बच्चे वसंत उत्सव की तैयारी में लगे थे। वे रंग-बिरंगे रिबन, पीले फूलों की झालरें लगा रहे थे, लेकिन सोहम के भीतर कोई उमंग-उत्साह नहीं दिख रहा था। यह देखकर आयुष ने पूछा, 'अरे सोहम, वसंत पंचमी का त्योहार है और तुम ऐसे उदास क्यों हो?'

सोहम नजरें झुकाते हुए बोला, 'ऐसा कुछ नहीं है, बस यूं ही शांत हूं।'

सारा तुरंत बोली, 'ऐसा कुछ नहीं क्या..? तुम तो वसंत पंचमी उत्सव में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हो। याद है, पिछले साल तुमने सबसे बड़ी रंग-बिरंगी पूंछ वाली पतंग उड़ाई थी।' सोहम धीरे से बोला, 'इस बार मन नहीं है।' लेकिन ऐसा क्यों, उसने दोस्तों को इसकी वजह नहीं बताई।

कुछ देर बाद दोपहर में सजे पार्क में सब बच्चे नई पीली ड्रेस पहनकर चहक रहे थे। कियारा दोस्तों के बीच उछलते हुए आई और बोली, 'मुझे देखो, मेरी मम्मी ने मेरे लिए सरसों के फूल जैसी कितनी प्यारी-सी फ्रॉक बनाई है।'

अनंत हंसते हुए बोला, 'और मेरा कुर्ता भी देखो, मैं चलता हूं तो लगता है हवा लहरा रही है।' सब बच्चे खुश तो थे, लेकिन अपने बीच सोहम के ना होने की कमी उन्हें अखर रही थी। आयुष से ना रहा गया, बोला, 'कुछ गड़बड़ है। हमें पता लगाना चाहिए, सोहम आज वसंत उत्सव में आखिर क्यों नहीं शामिल हुआ?'

सारा भी बोली, 'हां, सोहम के बिना वसंत पंचमी का उत्सव फीका लग रहा है।'

कियारा बोली, 'चलो, उसके घर चलते हैं। जानते हैं कि वह वसंत उत्सव में क्यों नहीं आया?' तीनों सोहम के घर पहुंचे। सोहम दोस्तों को देखकर चौंका, 'अरे, तुम लोग यहां!' आयुष ने आगे बढ़कर सोहम के कंधे पर हाथ रखा और प्यार से पूछा, 'सच-सच बताओ दोस्त, तुम वसंत उत्सव कार्यक्रम में क्यों नहीं आए?'

सोहम थोड़ा रुका, फिर धीमी आवाज में बोला, 'मेरे पास वसंत उत्सव में पहनने के लिए पीली ड्रेस नहीं है। इस महीने घर में बहुत ज्यादा खर्चा था, इस वजह से मम्मी-पापा ड्रेस खरीद नहीं पाए। पुरानी ड्रेस तो छोटी हो गई है। सब लोगों ने तो इतनी सुंदर-सुंदर पीली ड्रेस पहन रखी हैं। मैं अकेला पुरानी ड्रेस में बुरा लगूंगा, इसलिए नहीं आया।' सारा ने अपनी आंखें गोल-गोल घुमाईं और बोली, 'बस इतना सा कारण। अरे! तो हम लोग किसलिए हैं?'

अनंत मुस्कुराया, 'मिशन पीला सोहम शुरू!' सबसे पहले आयुष घर जाकर अपने पापा की पुरानी पीली टी-शर्ट लेकर आया। उसने पूछा, 'ये कैसी है?'

सोहम ने टी-शर्ट देखते ही कहा, 'अरे! यह तो मेरे घुटनों तक आएगी!'

सब हंसने लगे। तभी कियारा भी अपने घर भागी और अपने भाई की पीली जैकेट लेकर आई। सोहम को देकर बोली, 'यह पहन लो।' सोहम ने जैकेट पहनी। जैकेट की चेन बीच में फंस गई। सोहम बोला, 'इसके अंदर तो मेरी सांसें बंद हो जाएंगी।'

अनंत बोला, 'रुको, मेरे पास आइडिया है।' यह कहते हुए वह बहुत तेजी से अपने घर की ओर भागा और पीले रिबन, पीला चार्ट पेपर, ग्लिटर और स्टार स्टिकर्स लेकर लौटा। सारा उछल पड़ी, 'वाह! अब हम स्वयं बनाएंगे वसंत राजा सोहम की वसंत पंचमी ड्रेस। सबसे यूनिक ड्रेस होगी यह।'

कॉलोनी के पार्क की बेंच पर बैठकर बच्चों ने ड्रेस डिजाइनिंग शुरू की।

अनंत ने पीले-पीले रिबन काट-काटकर उसके कंधों पर लगाए। कियारा ने उसके सीने पर एक सूरजमुखी के शेप का ब्रोच भी लगा दिया।

सारा ने ग्लिटर से लिखा-वसंत राजा। सोहम ने जब अपनी नई ग्लिटरी थोड़ी टेढ़ी और चमकदार ड्रेस पहनी तो वह आश्चर्यचकित रह गया, बोला, 'सच में क्या मैं वसंत राजा लग रहा हूं?'

आयुष बोला, 'अरे, तुम राजा क्या चलती-फिरती वसंत की बहार हो!'

सब खिलखिला कर हंस पड़े।

वसंत पंचमी कार्यक्रम शुरू हुआ। मंच पर ड्रेस शो के लिए बच्चों को बुलाया जाने लगा। एनाउंसर ने एनाउंस किया, 'और अब आ रहा है हमारा वसंत का राजा!'

स्पॉटलाइट जैसे ही सोहम पर पड़ी लोग उछल पड़े। कार्यक्रम स्थल तालियों से गूंज उठा। एक अंकल बोले, 'इतनी क्रिएटिव ड्रेस डिजाइनिंग किसने की है?'

आयुष, सारा, अनंत और कियारा एक साथ बोले, 'हमने!' फिर सोहम ने माइक पर आकर बताया, 'मेरे दोस्तों ने मुझे अहसास कराया कि त्योहार पर दोस्त साथ हों तो कभी कोई फीका नहीं पड़ सकता। खुशियों से खिल उठता है।'

इसी बीच जजेस ने ऐलान किया, 'वसंत पंचमी की बेस्ट ड्रेस का पुरस्कार सोहम को मिलेगा।'

पूरा कार्यक्रम स्थल एक बार फिर तालियों से गूंज उठा। बच्चे भी खुशी से नाच उठे। *

कविता
डॉ. नागेश पांडेय 'संजय'

लो, वसंत की ऋतु आई है!

लगे परी-सी धरती रानी,
देख इसे होती हैरानी।
निखर उठी है अजब छटा से
आज अनोखी प्रकृति सुहानी।
पेड़ झूमते हैं मस्ती में,
डाली-डाली बौराई है।
लो वसंत की ऋतु आई है।
फूलों से लद गए बगीचे,
भौंरे फिरते आंखें मींचे।
यों लगता है जैसे अंबर,
भू पर भर-भर खुशी उलीचे।
शहद सरीखे इस मौसम का
रंग-ढंग सब सुखदाई है।
लो, वसंत की ऋतु आई है।
नाच रही गेहूं की बाली,
झूम रही सरसों मतवाली।
देख नजारा पौध चने के
हंस-हंस बजा रहे हैं ताली।
कोयलिया का गीत, हवा की
सरगम सबके मन भाई है।
लो वसंत की ऋतु आई है।

रंग भरो-194

रंग भरो-194 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

रशिका, जांजगीर

समृद्धि, शहडोल

धरा, रायपुर

पयोधि, अंबिकापुर

ओविया, बिलासपुर

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

भूमि-अटेली मंडी, अमोल-बेमेतरा, आशना-जांजगीर, चेतन-दुर्ग, दिशांत-महेंद्रगढ़, कल्पित-बालोद, कुहू-बिलासपुर, रेयांश-बिलासपुर, खुशी-भिवानी, कविता-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, सोहम-रोहतक, हर्षिता-कोरबा

प्रमाण, बालोद

रंग भरो 195

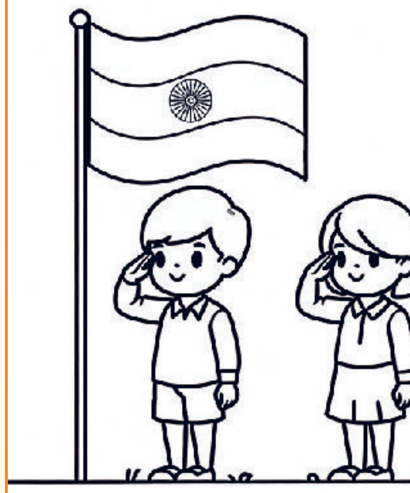

बच्चो, इस ब्लैक एंड व्हाइट चित्र में दो बच्चे रिपब्लिक-डे के अवसर पर हमारे नेशनल फ्लैग को सैल्यूट कर रहे हैं। इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम **बालभूमि** में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक - फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomihb@gmail.com पर मेल करो।

खबर संक्षेप

ओम साईंराम ने ओलंपियाड में हासिल किए 15 मेडल

महेंद्रगढ़। मोहल्ला जवाहरनगर में स्थित श्री ओम साईंराम एकेडमिक हाइट्स पब्लिक स्कूल में एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें राज्य स्तर पर करवाई गई ओलंपियाड परीक्षा के दौरान मेडल जीतकर अपने विद्यालय और परिवार का नाम रोशन करने वाले सभी मेधावी बच्चों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय संस्थापक शेरसिंह सैनी, प्राचार्या ज्योति शर्मा एवं बचपन हेड रूपाली अरोड़ा सहित विद्यालय मैनेजमेंट के पदाधिकारियों द्वारा इन सभी मेधावी बच्चों को मेडल व प्रशस्ति पत्र आदि देकर सम्मानित किया गया। चेयरमैन रमेश सैनी एवं चेयरपर्सन निशा सैनी ने बताया कि राज्य स्तरीय इस ओलंपियाड परीक्षा में हमारे विद्यालय के कुल 124 बच्चों ने भाग लिया। प्राचार्या ज्योति शर्मा, बचपन हेड रूपाली अरोड़ा, उप प्राचार्या मोनिका दीवान, प्रवक्ता अमरसिंह सोनी, नवीना शर्मा, रीटा शर्मा, रेनू भारद्वाज, ममता यादव सहित पूरे स्टाफ ने विजेता छात्रों को बधाई दी।

सागरपुर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर 25 को

मंडी अटेली। गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में सागरपुर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर 25 जनवरी को लगाया जा रहा है। जानकारी देते ब्लाक पंचायत समिति मेंबर प्रतिनिधि अनिल ने बताया कि सागरपुर में बाबा हरनाम गिरी मंदिर में सुबह नौ बजे स्वैच्छिक रक्तदान शिविर लगाया जाएगा। इस शिविर में प्रत्येक व्यक्ति को रक्तदान कर जरूरतमंद की जान बचाने का प्रयास करना चाहिए। यह शिविर बाबा हरनाम गिरी युवा मंडल द्वारा लगाया जा रहा है।

गणतंत्र दिवस को लेकर फुल ड्रेस रिहर्सल कल

कनीना। राजकीय महाविद्यालय में आयोजित होने वाले उपमंडल स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह धूमधाम से मनाया जाएगा। इस समारोह के मुख्य अतिथि महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह यादव होंगे। समारोह को लेकर 24 जनवरी को फुल ड्रेस फाइनल रिहर्सल होगी। जिनका निरीक्षण तहसीलदार पायल यादव व नपा सचिव कपिल कुमार करेंगे। एसडीएम डॉ. जितेंद्र सिंह अहलावत ने बताया कि राष्ट्रीय पर्व पर विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों की ओर से रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।

मां सरस्वती की विधिवत पूजा-अर्चना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ

बीआर ज्ञानदीप, हैप्पी स्कूल व डीएवी स्कूल में बसंत पंचमी पर्व मनाया

हरिभूमि न्यूज ▸▸ महेंद्रगढ़

गांव सुरजनवास स्थित बीआर ज्ञानदीप सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बसंत पंचमी का पर्व हर्षोल्लास, श्रद्धा एवं सांस्कृतिक गरिमा के साथ मनाया गया। विद्यालय परिसर पीले वस्त्रों, पुष्प-सज्जा और वसंत की मनोहारी छटा से सराबोर दिखाई दिया। ज्ञान, विद्या और कला की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती की विधिवत पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस दौरान विद्यार्थियों द्वारा सरस्वती वंदना, भक्ति गीत, कविता-पाठ, सांस्कृतिक नृत्य, वाद्य-यंत्र प्रस्तुति, चित्रकला एवं पोस्टर मेकिंग, सुंदर लेखन (कैलिग्राफी) तथा भाषण प्रतियोगिता जैसी अनेक रचनात्मक एवं ज्ञानवर्धक गतिविधियां आयोजित की गईं। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य रामवीर यादव ने की। उन्होंने कहा कि बसंत पंचमी के सांस्कृतिक एवं शैक्षिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पर्व हमें ज्ञान, अनुशासन और सृजनशीलता के मार्ग पर अग्रसर होने की प्रेरणा देता है। चेयरमैन रूपराम यादव ने कहा कि ऐसे आयोजन से विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति के प्रति आस्था बढ़ती है और उनकी प्रतिभा को मंच मिलता है। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागी विद्यार्थियों को प्रशस्ति-पत्र दिए गए।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

हैप्पी स्कूल में मनाया बसंत पंचमी का पर्व

महेंद्रगढ़। हैप्पी स्कूल में बसंत पंचमी पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यालय बसंती रंगों, संगीत और नृत्य की मनमोहक छटा से सराबोर दिखाई दिया। कार्यक्रम में कक्षा नर्सरी से लेकर 12वीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया और अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में मुख्यातिथि विद्यालय उपसंचालिका कौशल्या अग्रवाल तथा विशिष्ट अतिथि प्रधानाचार्य डॉ. जेएस कुंतल उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना एवं सांस्कृतिक प्रस्तुति के साथ हुआ। मंच संचालन का कार्य कुलदीप शर्मा के निर्देशन में शिवानी, मोनू और आर्यन ने किया। कक्षा छठी के छात्रों द्वारा प्रस्तुत नृत्य आयो रे आयो ने दर्शकों का मन मोह लिया। वहीं कक्षा दूसरी, तीसरी, पांचवीं और सातवीं की छात्राओं ने देशभक्ति गीतों पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। कक्षा आठवीं के छात्रों द्वारा महाभारत के द्रौपदी वस्त्रहरण प्रसंग पर आधारित भावपूर्ण नृत्य-नाटिका कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रही। यूकेजी के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने रंग दे बसंती गीत पर नृत्य प्रस्तुत किया। वहीं कक्षा सातवीं के विद्यार्थियों ने ओ देश मेरे गीत पर भावनात्मक नृत्य की प्रस्तुति देकर खूब तालियां बटोरीं। संचालक सुभाष चंद अग्रवाल, प्रबंध निदेशक मनीष अग्रवाल एवं मैनेजर चंचल अग्रवाल ने सभी को बसंत पंचमी की शुभकामनाएं दीं।

डीएवी स्कूल में मनाया बसंत पंचमी पर्व

नारनौल। डीएवी स्कूल में बसंत पंचमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रार्थना सभा से हुआ। विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ कार्यक्रम में भाग लिया और भजन, कविता, भाषण, पहेलियों व श्लोकों के माध्यम से बसंत ऋतु के महत्व पर प्रकाश डाला। विद्यार्थियों की सभी गतिविधियां ज्ञान, भारतीय संस्कृति व रचनात्मकता पर आधारित थी। पंचमी का अर्थ है पांचवीं तिथि। हिंदू कैलेंडर के अनुसार माघ महीने के शुक्ल पक्ष की पांचवीं तिथि को यह पर्व मनाया जाता है। बसंत पंचमी पर्व हमें सिखाता है कि जीवन में संगीत, कला और विद्या का होना उतना ही जरूरी है, जितना कि प्रकृति में फूलों का होना। इस दिन पीले रंग का विशेष महत्व है जिसे बसन्ती रंग कहते हैं। यह रंग सूर्य के प्रकाश, परिपक्वता और सौभाग्य का प्रतीक है। यह मन को प्रसन्नता और शांति प्रदान करने वाला रंग माना जाता है। प्राचार्य राजेश कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बसंत पंचमी केवल ऋतु परिवर्तन का पर्व नहीं है, बल्कि ज्ञान, नवचेतना व सृजनशीलता का प्रतीक है, जो हर अंत के बाद एक नई शुरूआत का संदेश देता है। यह पर्व जीवन में आने वाले परिवर्तन से भी हमें अवगत करवाता है। उन्होंने विद्यार्थियों को अध्ययन के साथ-साथ संस्कार व रचनात्मकता सोच विकसित लिए प्रेरित किया।

नारनौल। कार्यक्रम में गीत प्रस्तुत करती छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। बसंत पंचमी पर्व में भाग लेते बच्चे। फोटो : हरिभूमि

एमआर स्कूल में बसंत पंचमी त्योहार मनाया

नारनौल। एमआर पब्लिक स्कूल मित्रपुरा में बसंत पंचमी का त्योहार मनाया। इस अवसर पर बच्चों ने ज्ञान, संगीत और कला की देवी मां सरस्वती की पूजा अर्चना करते हुए ज्ञान और शिक्षा का वर भी मांगा। बच्चों ने बड़ी श्रद्धा के साथ गाए गए मां सरस्वती के भजनों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर सभी बच्चों ने पीले रंग की पोशाकें पहनी हुई थी। इस दौरान बच्चों ने पीले रंग के पकवानों का खूब आनंद उठाया। इसके बाद बच्चों ने रेत के ऊपर अक्षर लिखने की परंपरा भी निभाई। बच्चों द्वारा कलात्मक गतिविधियों में सूरजमुखी के सुंदर फूल बनाए गए, जो कि बहुत मनमोहक लग रहे थे। स्कूल प्राचार्या, स्टाफ सदस्यों व विद्यार्थियों ने मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। इस अवसर पर प्रधानाचार्या अनिता यादव ने सभी को बसंत पंचमी की बधाई दी।

नारनौल। बसंत पंचमी पर्व में भाग लेते बच्चे। फोटो : हरिभूमि

विद्या भारती स्कूल में बसंत पंचमी पर्व मनाया

नारनौल। विद्या भारती पब्लिक स्कूल निजामपुर में बसंत पंचमी पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन एडवोकेट राजकुमार यादव व वाइस चेयरपर्सन डॉ. उषा यादव ने ज्ञान की देवी मां सरस्वती की विधिपूर्वक पूजा अर्चना की और लड्डू का भोग अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विद्यालय के बच्चों ने कविता, भाषण आदि के माध्यम से बसंत ऋतु व मां सरस्वती के बारे में बताया। विद्यालय की वाइस चेयरपर्सन डॉ. उषा यादव ने बताया कि बसंत ऋतु सभी ऋतुओं की राजा है व बसंत पंचमी के दिन से ही होली के त्योहार की शुरूआत मानी जाती है। इस दिन लोग पीले रंग के वस्त्र पहनते हैं। पीले रंग का इस दिन विशेष महत्व है। इस दिन साहित्य, कला, शिक्षा से जुड़े लोग विशेष रूप से मां सरस्वती की पूजा अर्चना करके उनका आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। किड्स ब्लॉक इंचार्ज विजय सोनी ने बच्चों को लड्डू का प्रसाद वितरण किया। इस मौके पर विद्यालय के प्रबंधक निदेशक एडवोकेट पीयूष यादव, निदेशक डॉ. रविन्द्रा कुमारी, प्राचार्य विनोद कुमार आदि मौजूद थे।

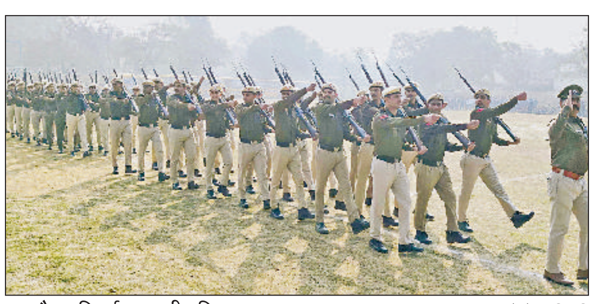

नारनौल। रिहर्सल करती पुलिस प्लाटून। फोटो : हरिभूमि

गणतंत्र दिवस को लेकर अभ्यास जारी

नारनौल। आगामी 26 जनवरी को आयोजित होने वाले जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियां लगातार जारी हैं। उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार के मार्गदर्शन में आईटीआई मैदान में समारोह को भव्य बनाने के लिए स्कूली बच्चे लगातार अभ्यास कर रहे हैं। आईटीआई प्रांगण में वीरवार को भी परेड की विभिन्न टुकड़ियों ने कदमताल करते हुए जोरदार अभ्यास किया। इसमें पुलिस प्लाटून, एनसीसी, होमगार्ड, स्काउट सीनियर प्लाटून, गाइड प्लाटून के साथ कब, बुलबुल व रेडक्रॉस की टुकड़ियां शामिल थी। परेड के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों को लेकर भी विद्यार्थियों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। समारोह में अपनी बेहतरीन प्रस्तुति देने के लिए विभिन्न स्कूलों की टीमों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों, पीटी व डंबल का अभ्यास किया।

पैदल यात्रियों के लिए शिविर लगाने के बारे में हुई बैठक

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नारनौल

श्री श्याम सावरियां मंडल चौकी नंबर 47 पर लगने वाले 17वें श्याम भक्तों के लिए पैदल पथ यात्रियों के लिए शिविर लगाने के बारे में एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें भक्तों के विश्राम, दवाई, ठहरने और भोजन की व्यवस्था के बारे में विचार–विमर्श किया गया। इस बार यह शिविर 20 फरवरी से 25 फरवरी दोपहर तक आयोजित किया जाएगा और 24 तारीख को बाबा श्याम जी का भव्य दरबार और बाबा के भजनों का गुणगान किया जाएगा। इस मौके पर मुख्य रूप से आशु सैन, बबल यादव, विजय सैनी, कालू सैन, सुमित अग्रवाल, प्रमोद शर्मा, शिवा सैनी, ललित यादव, नरेश सैन, हरकेश वर्मा, मोहन शर्मा, बलवंत सैनी, सिकंदर यादव, श्रीकांत सैनी, मोनू सैनी व संजय यादव आदि मौजूद थे।

नारनौल। बैठक में भाग लेते श्याम प्रेमी। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। विद्यार्थियों को सम्मानित करता स्कूल स्टाफ। फोटो : हरिभूमि

धौलेड़ा स्कूल के 6 विद्यार्थियों का बुनियाद में चयन

नारनौल। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय धौलेड़ा के छह विद्यार्थियों यशराज, लक्ष्मी, तनीषा, गुंजन, खुशी व शिवानी का बुनियाद लेवल–1 में चयन हुआ है। चयनित विद्यार्थियों का सम्मान प्रातःकालीन सभा में किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के कार्यकारी प्राचार्य डॉ. पंकज गौड़ ने अभिभावकों, विद्यार्थियों व स्टाफ सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार की परीक्षाओं में श्रेष्ठ प्रदर्शन विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता व उत्कृष्टता को प्रतिबिंबित करता है। यह सफलता विद्यालय के सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण तथा शिक्षकों के निरंतर समर्पण का परिणाम है। उन्होंने मौलिक मुख्याध्यापक महेश शर्मा, प्रवक्ता संदीप कुमार व प्रवक्ता विक्रम सिंह की प्रशंसा की। मंच संचालन संस्कृत प्रवक्ता रविकुमार ने किया। इस मौके पर राकेश कुमार प्रवक्ता, राजपाल सिंह यादव, समय सिंह, दीपक शर्मा, मनोज कुमार, उम्मेद सिंह, पवन कुमार, भूपसिंह, नरेंद्र कुमार, सन्नी पाल, मुनेशा चाहर, सुमित कुमार आदि उपस्थित रहे।

गोल्ड जीतने पर लड़की को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▸▸ मंडी अटेली

अगर कुछ करने की हौसला हो तो व्यक्ति कुछ भी कर सकता है। एक गरीब परिवार में जन्म लेने वाली सिलारपुर की लड़की ने दौड़ के इंटरनेशनल चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता है। लड़की के माता-पिता गरीब हैं।

अटेली विधानसभा में सिहमा खंड के गांव सिलारपुर की दिपांशी ने इंडो नेपाल भारत यूथ गेम्स इंटरनेशनल में 800 मीटर दौड़ में गोल्ड मेडल जीता है। खेलो भारत यूथ फेडरेशन ने प्रशस्ति पत्र व ट्राफी प्रदान की है। गांव में पहुंचने पर ग्रामीणों ने खिलाड़ी को बैंड बाजे, डीजे व फूल मालाओं से जोरदार स्वागत अभिनंदन किया। लड़की के पिता संजय कुमार ने बताया कि वह दिल्ली में मजदूरी मेहनत कर अपने परिवार का खर्चा चलाता है। यह चैंपियनशिप नेपाल के पोखरा में 12 से 19 जनवरी के बीच हुई। इसमें भारत, नेपाल, जापान, भूटान सहित पांच देशों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। गांव के पूर्व सरपंच संजय कुमार, सरपंच रतन सिंह, ताराचंद, सरजीत पंच, ओमप्रकाश मास्टर, विजय सिंह, दीपचंद पंच आदि ने सम्मानित किया।

मंडी अटेली। सिलारपुर की लड़की को सम्मानित करते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

नपा के पूर्व प्रधान जांगड़ा को मातृशोक

महेंद्रगढ़। नगर पालिका के पूर्व प्रधान रामचंद्र जांगड़ा की माता फूलवती देवी 85 वर्षीय का आकस्मिक निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार बुचोली रोड स्थित स्वर्ग आश्रम में किया गया, जहां बड़े पुत्र रामचंद्र जांगड़ा ने मुखाग्नि देकर माता को अंतिम विदाई दी। इस दौरान पुत्र पुरुषोत्तम जांगड़ा व अशोक जांगड़ा भी मौजूद रहे। फूलवती देवी के निधन से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। उनके अंतिम संस्कार में सैकड़ों लोग, परिजन व समाजसेवी उपस्थित रहे। वे अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं। रामलीला परिषद के पूर्व तकनीकी निदेशक अशोक जांगड़ा ने बताया कि उनकी माता अत्यंत मिलनसार, धार्मिक एवं सरल स्वभाव की महिला थी। वे सदैव दूसरों के सुख-दुःख में भाग लेती थी और जीवन में सद्मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती थीं। उनके अंतिम संस्कार में पूर्व सरपंच नरेंद्र खुडानिया, मुकेश जांगडा, अशोक प्रधान, मोतीलाल थानेदार, ब्लॉक प्रधान सांवलराम, संजय नंबरदार, रोहताश भगडाना, रिटायर्ड पोस्ट मास्टर किशन लाल, राजपाल गिरदावर, वेदप्रकाश ठेकेदार, सुभाष गर्ग, शिव शंकर अग्रवाल, दीपक अरोड़ा, सतीश पाटोदिया, प्रमोद तिवाड़ी, सोहन टैनी, विकास तिवाड़ी, चन्दगी, राजेंद्र पोपली, अनिल सेठ, सुशील बीढाट, आनंद शर्मा, राजेश लावनिया, अशोक दुलोठ, मनीष छाबड़ा आदि लोग उपस्थित रहे।

रोटरी क्लब रॉयल्स ने किए हेलमेट वितरित

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नारनौल

जिला प्रशासन की ओर से संचालित सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत रोटरी क्लब रॉयल्स ने प्रशासन का सहयोग करते हुए महावीर चौक पर दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट वितरित किए। कार्यक्रम में ट्रैफिक इंचार्ज नरेश कुमार मुख्य अतिथि थे।

उन्होंने स्वयं दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट प्रदान किए तथा सभी नागरिकों से यातायात नियमों का पालन करने का आह्वान किया। रोटरी क्लब रॉयल्स के प्रधान दिनेश भार्गव ने बताया कि क्लब सदैव समाज हित में कार्य करता रहा है और सड़क सुरक्षा जैसे विषयों पर जन जागरूकता फैलाना क्लब की प्राथमिकता में शामिल है। क्लब के सचिव सत्यनारायण सैनी ने बताया कि स्वच्छ नारनौल स्वस्थ नारनौल अभियान के अंतर्गत 25 जनवरी को छोटा बड़ा तालाब पर स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। क्लब के उप प्रधान अनिल यादव ने मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। कार्यक्रम में क्लब के कोषाध्यक्ष मोहन सैनी, पवन कटारिया, अमित सैनी, महेश कुमार आदि रोटरी सदस्य उपस्थित रहे।

नारनौल। महावीर चौक पर हेलमेट वितरित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

यदुवंशी स्कूल में मनाया बसंत पंचमी का पर्व

महेंद्रगढ़। यदुवंशी स्कूल परिसर में बसंत पंचमी का पावन पर्व साथ मनाया गया। इस दौरान विद्या की देवी मां सरस्वती की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। विद्यार्थियों व शिक्षकों ने पीले वस्त्र धारण कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा सरस्वती वंदना, भजन, कविता पाठ, भाषण, नृत्य एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं, जिन्होंने सभी का मन मोह लिया। बच्चों ने बसंत ऋतु के महत्व तथा शिक्षा के प्रति समर्पण को अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से दर्शाया। ग्रुप के चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने प्रेरणादायक भाषण दिया। उन्होंने कहा कि बसंत पंचमी ज्ञान, सृजन और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है। विद्यार्थियों को निरंतर परिश्रम, अनुशासन और नैतिक मूल्यों को अपनाकर जीवन में सफलता प्राप्त करनी चाहिए। उन्होंने शिक्षा को जीवन का सबसे बड़ा हथियार बताते हुए विद्यार्थियों को लक्ष्य के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया। वाइस-चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव, वाइस-चेयरपर्सन संगीता यादव, ग्रुप निदेशक विजय सिंह यादव, फाउंडर डायरेक्टर डॉ. राजेंद्र सिंह यादव ने बसंत पंचमी की शुभकामनाएं दीं।

धर्म-कर्म | श्रीराम मंदिर स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में भंडारा आयोजित

भंडारा, सत्संग, कीर्तन हमारी भारतीय सनातन संस्कृति का द्योतक

भगवान राम भारत की शक्ति, भक्ति और संस्कृति के प्रतीक : अतरलाल

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नारनौल

अयोध्या में श्रीराम मंदिर स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में धनौन्दा बस अड्डे पर भंडारे का आयोजन किया गया। यह भंडारा बस अड्डा के सभी दुकानदारों व ग्रामीणों के सहयोग से सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि प्रमुख समाजसेवी नेताजी अतरलाल एडवोकेट ने जय सिया राम के जयकारों के बीच श्री राम मंदिर की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर भंडारा का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों व श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए नेताजी अतरलाल ने कहा कि भगवान राम भारत की शक्ति, भक्ति और संस्कृति के प्रतीक हैं। वे मर्यादा पुरुषोत्तम हैं। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर की स्थापना सभी भारतवासियों के लिए गौरव की बात है। अयोध्या में श्रीराम मंदिर स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष भंडारा आयोजित करने के लिए बस स्टैंड धनौन्दा के दुकानदारों को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि भंडारा, सत्संग, कीर्तन हमारी भारतीय सनातन संस्कृति का द्योतक हैं।

नारनौल। दीप प्रज्ज्वलित कर भंडारे का उद्घाटन करते नेताजी अतरलाल एडवोकेट। फोटो : हरिभूमि

ये रहे उपस्थित

इस मौके पर पूर्व चेयरमैन रतन सिंह तंवर, राष्ट्रपति पदक से सम्मानित कैप्टन ओमपाल सिंह, जिला पार्षद अजीत सिंह, पंचायत समिति सदस्य सपना, सरपंच प्रतिनिधि बीरसिंह थानेदार, डॉ. रवि कौशिक, पिताम्बर प्रधान, जगदीश प्रसाद अग्रवाल पंच, रामबीर खटाणा, कपिल तंवर, अमित चौहान, हरेन्द्र हरचन्दा, रविन्द्र तंवर, गिरधारी योगी, दिशांत अग्रवाल, अनिल, अशोक तंवर, प्रितम, रामकिशन गहलावत, आशीष, राकेश तंवर, पूर्ण मक्कड़, दिनेश, अजय, हवासिंह फौजी, कासीम, हंसराम, सोनू, संजय मौला, दीपक पंच, सतबीर, पृथ्वीसिंह पंच, सुनील पंच, मुरलीधर, देवेन्द्र पंच आदि श्रद्धालु उपस्थित थे।

उदय कॉलेज ऑफ नर्सिंग में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

महेंद्रगढ़। नारनौल–दादरी रोड स्टेट हाईवे स्थित पाली में उदय कॉलेज ऑफ नर्सिंग में एडमिशन प्रक्रिया शुरू हो गई है। उदय कॉलेज ऑफ नर्सिंग में प्रवेश सूचना 2025–26 ने सत्र के लिए बीएससी नर्सिंग और जीएनएम कोर्सेज में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। नर्सिंग शिक्षा में उत्कृष्टता के लिए पहचाना जाने वाला यह संस्थान छात्रों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण और आधुनिक सुविधाएं प्रदान करता है। इच्छुक छात्र कॉलेज की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं या सीधे कॉलेज कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं। सीटें सीमित हैं, इसलिए जल्द आवेदन करें। संस्था की चेयरपर्सन डॉ. अर्चना ठाकुर ने बताया कि कॉलेज में बीएससी नर्सिंग के छात्र की आयु 17 से 35 वर्स चार साल वर्षीय योग्यता 12वीं कथा सांइस से 50 प्रतिशत पास अनिवार्य है, जीएनएम में का कोर्स तीन वर्षीय आयु 17 से 35, योग्यता 12वीं पास व अंकतालिका 40 प्रतिशत हो अनिवार्य हैं। प्रवेश की लेने की अंतिम तिथि 23 जनवरी की हैं।

‘वर्ल्ड व्यू थ्रू द क्लोज्ड डोर्स एण्ड ब्रोकन विंडो’ विषय पर सम्मेलन आयोजित

6 कांफ्रेंस हॉल में 250 शोध-पत्रों ने बौद्धिक रूप से बनाया समृद्ध

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

राजकीय महिला महाविद्यालय में ‘वर्ल्ड व्यू थ्रू द क्लोज्ड डोर्स एण्ड ब्रोकन विंडो’ विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य समकालीन वैश्विक समाज, राजनीति, संस्कृति और मानवीय अनुभवों को इंटरडिस्सिप्लीनरी व मल्टीडिस्सिप्लीनरी दृष्टिकोण से समझना था। इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में देश विदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों से आए विद्वानों, शिक्षकों, शोधार्थियों तथा छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. आरपी सिंह ने उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए कहा कि ऐसे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के साथ-साथ विद्यार्थियों में वैश्विक दृष्टिकोण विकसित करते हैं। उन्होंने कहा कि यह विषय समाज के उन पक्षों को उजागर करता है, जो अक्सर मुख्यधारा की चर्चाओं से बाहर रह जाते हैं। सम्मेलन के इंदिरा गांधी यूनिवर्सिटी मीरपुर के रजिस्ट्रार प्रो. दिलबाग सिंह मुख्य अतिथि थे। गेस्ट ऑफ ऑनर जिला उच्च शिक्षा अधिकारी महेंद्रगढ़ कम प्रिंसिपल जीसीडब्ल्यू बाढ़रा चरखी दादरी प्रो. अनिल कुमार खटकर रहे।

■ विद्यार्थियों में वैश्विक दृष्टिकोण विकसित करते हैं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

नारनौल। मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

यह बोले मुख्य अतिथि

मुख्य अतिथि प्रो दिलबाग सिंह ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में अकादमिक विमर्श केवल ज्ञान तक सीमित न रहकर सामाजिक चेतना और उत्तरदायित्व का माध्यम बन चुका है। उन्होंने युवाओं से अनुसंधान को समाज-परिवर्तन से जोड़ने का आह्वान किया। प्रो अनिल कुमार खटकर ने कहा कि इस प्रकार के अंतरराष्ट्रीय मंच विचारों के आदान-प्रदान का सशक्त माध्यम होते हैं, जहां स्थानीय अनुभव वैश्विक संदर्भ में नई समझ पैदा करते हैं। सम्मेलन की कन्वीनर डॉ. पारुल गुप्ता ने वर्ल्ड व्यू थ्रू द क्लोज़्ड डोर्स एंड ब्रोकन विंडोज विषय पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया।

ये रहे मौजूद

सम्मेलन के मुख्य अंतर्राष्ट्रीय वक्ता परड्यू यूनिवर्सिटी संयुक्त राज्य अमेरिका से प्रो. सुरेश मित्तल, लफ़ायेट इंडियाना यूएसए से डॉ. पूनम मित्तल, डिपार्टमेंट ऑफ़ एजुकेशन गवर्नमेंट ऑफ कैलिफोर्निया यूएसए से डॉ नवदीप सन्धु, प्रिंस सत्तम बिन अब्दुल अजीज यूनिवर्सिटी सऊदी अरब से डॉ. अली अहमद खान व डॉ. पूढ़वी राजू, टफ़्ट्स यूनिवर्सिटी बॉस्टन मैसाचुसेट्स यूएसए से डॉ आरिश ढिल्लो रहे। राष्ट्रीय वक्ताओं में संबलपुर यूनिवर्सिटी उड़ीसा से प्रो. अशोक मोहापात्रा, यूनिवर्सिटी ऑफ इलाहाबाद यूपी से प्रो. प्रकाश जोशी, किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय से प्रो. प्रवीण कुमार अंशुमन व आईजीयू मीरपुर से प्रो. बिजेंद्र सिंह प्रमुख रहे।

प्रो. यशपाल ने किया धन्यवाद ज्ञापित

चीफ प्रॉक्टर प्रो. यशपाल ने वेलडिक्टरी सेशन के तहत मुख्य अतिथियों व वक्ताओं का धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन डॉ. पारुल गुप्ता एवं डॉ. ममता सिद्धार्थ ने किया। कुल 6 कांफ्रेंस हॉल में प्रत्येक में अलग अलग 3-3 समानांतर तकनीकी सत्रों में प्रस्तुत लगभग 250 शोध-पत्रों ने बौद्धिक रूप से समृद्ध बनाया। चीफ प्रोक्टर प्रो यशपाल द्वारा सभी अतिथियों, वक्ताओं, आयोजकों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर डॉ. सुमेर सिंह यादव प्रिंसिपल (रिटायर्ड), डॉ. शिवराज सिंह प्रिंसिपल (रिटायर्ड), डॉ. ज्ञानचन्द राणा प्रिंसिपल (रिटायर्ड), प्रो बीरसिंह रिटायर्ड, को-कन्वीनर डॉ. अंजू रानी, को-कॉर्डिनेटर डॉ. ममता सिद्धार्थ, डॉ. पवन कुमार, ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री डॉ. सुनील कुमार एवं कॉलेज स्टॉफ सहित देश व विदेश से आए लगभग 250 डेलीगेट्स ने सम्मेलन को अपनी उपस्थिति से सफल बनाया।

10 स्कूलों के भवन/कक्ष घोषित किए गए असुरक्षित

जर्जर स्कूल भवनों को लेकर पीडब्ल्यूडी की चेतावनी

जो इमारत कंडम घोषित, उस पर चेतावनी : प्रवेश निषेध कन्डम भवन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

हरियाणा लोक निर्माण विभाग (भवन एवं सड़क शाखा) की ओर से नांगल चौधरी खंड शिक्षा अधिकारी को भेजे गए पत्र में क्षेत्र के कई सरकारी स्कूलों के भवनों और कक्षा-कक्षों को जर्जर एवं असुरक्षित घोषित किया गया है। विभाग की ओर से यह कार्रवाई सार्वजनिक हित और विद्यार्थियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए की गई है।

इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद अभिभावकों और ग्रामीणों में भी चिंता का माहौल है। लोगों का कहना है कि समय रहते भवनों की मरम्मत या नए भवनों का निर्माण किया जाना चाहिए ताकि बच्चों की पढ़ाई बाधित न हो और उनकी जान को कोई खतरा न रहे। अब देखना यह होगा कि शिक्षा विभाग और संबंधित प्रशासन इस दिशा में कितनी शीघ्रता से आवश्यक कदम उठाता है।

■ अभिभावकों और ग्रामीणों में भी चिंता का माहौल

पीडब्ल्यूडी द्वारा जारी मेमो संख्या 5900 के अनुसार संबंधित उप-मंडल अभियंता एवं कनिष्ठ अभियंता द्वारा विभिन्न स्कूलों का भौतिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि कई स्कूल भवनों की हालत अत्यंत खराब है।

दीवारों में दरारें, छतों की जर्जर स्थिति और संरचनात्मक कमजोरी के कारण इन भवनों को स्कूल संचालन के लिए अनुपयुक्त बताया गया है। पत्र में स्पष्ट किया गया है कि दृश्य निरीक्षण के आधार पर इन भवनों में बच्चों का बैठना और शिक्षण कार्य कराना सुरक्षित नहीं है। इसी के चलते स्कूलों के कुछ कक्षा-कक्षों अथवा पूरे भवन को ‘कंडम’ यानी उपयोग के लिए असुरक्षित घोषित किया गया है।

इन स्कूलों की इमारतों को किया कंडम घोषित

पीडब्ल्यूडी की रिपोर्ट के अनुसार, जिन स्कूलों के भवन या कक्षा-कक्ष असुरक्षित घोषित किए गए हैं, उनमें जीएसएसएस छापड़ा बीबीपुर का पूरा भवन, जीएसएसएस थनवास के दो कमरे, जीएसएसएस अकबरपुर के 10 कक्ष, जीएमजीएसएस धौलेड़ा के पांच कक्ष शामिल हैं। इसके अलावा जीपीएस मोहनपुर का एक कमरा व किचन शेड, जीएमएस नांगली का एक कमरा, जीपीएस शिमली के चार कमरे व किचन शेड, जीजीपीएस कमानिया का पूरा भवन, जीजीपीएस थनवास का एक कमरा तथा जीपीएस नांगल चौधरी का पूरा भवन भी असुरक्षित घोषित किया गया है।

उद्देश्य : विद्यार्थियों और स्टाफ की सुरक्षा सुनिश्चित

विभाग ने अपने पत्र में यह भी उल्लेख किया है कि इन भवनों को सार्वजनिक हित में असुरक्षित घोषित किया गया है और यह रिपोर्ट किसी भी प्रकार के कानूनी या न्यायालयीन उद्देश्य के लिए मान्य नहीं होगी। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों और स्टाफ की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। जब तक इन भवनों की मरम्मत, पुनर्निर्माण या वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की जाती, तब तक इन कक्षा-कक्षों का उपयोग न किया जाएगा।

आईटीआई में विचार गोष्ठी आज

नारनौल। हरियाणा युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता विभाग की ओर से जारी दिशा निर्देशानुसार राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में 23 जनवरी सुबह 11 बजे महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में मनाया जाएगा। प्रधानाचार्य विनोद कुमार खनगवाल ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी को नेताजी के अदम्य साहस, राष्ट्रप्रेम व उनके ऐतिहासिक नारे तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा से प्रेरित करना है। इस मौके पर भाषण प्रतियोगिता व विचार गोष्ठी में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को क्रमशः 1100, 750 व 500 रुपये का इनाम डीबीटी के माध्यम से दिया जाएगा। भाषण प्रतियोगिता का विषय नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जीवनी से प्रेरित होगा। संस्था के युवा मामलों के नोडल अधिकारी मेजर वीरेंद्र कुमार सेकवाल ने बताया कि नेताजी का जीवन अनुशासन व बलिदान का प्रतीक है।

गुढ़ा केमला आरयूबी की दीवारें जर्जर

बरसाती पानी से मिट्टी व झाड़बोझ को मिल रहा बढ़ावा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कनीना

रेवाड़ी बीकानेर ब्रॉडगेज रेलवे लाइन पर गुढ़ा केमला स्टेशन के पास 2013 में क्रॉसिंग फाटक संख्या 89 पर बनाए गए रेलवे अंडरब्रिज आरयूबी की हालत जर्जर होने लगी है। कमोबेश यही हालत रेलवे स्टेशन भवन व प्लेटफार्म की बनी हुई है। जहां की दीवारें रंग रोगन का इंतजार कर रही। वहीं रेलयात्रियों के टॉयलेट, पेयजल, बैठने की सीटों का अभाव बना हुआ है। जिसे लेकर यात्री व वाहन चालक चिंतित हैं।

बता दें कि 89 क्रॉसिंग फाटक पर बने इस ब्रिज के बनने के बाद टीनशेड व लाइट लगाना तो दूर की बात इसकी साफ सफाई व रंग पेंट तक नहीं की गई। आरयूबी के तल में मिट्टी जमा हो गई है। नतीजतन यहां पर बरसात के समय झाड़बोझ उग जाते हैं। जिसकी कटाई न होने से आरयूबी की आरसीसी दीवार से रोड़ियां गिरने लगी हैं। मार्ग पर गिर रही रोड़ियां हादसों को बढ़ावा दे रही हैं। इसके अलावा आरयूबी से बरसाती पानी निकासी के लिए बनाए गए डीप बोर के चैंबर से लोहे का जाल गायब हो गया। उचित देखरेख नहीं होने के चलते आरयूबी की दीवारें कटने लगी हैं। जिनकी समय रहते मरम्मत नहीं किए जाने से हादसा घटित हो सकता है।

कनीना। गुढ़ा केमला स्थित आरयूबी 89 की जर्जर दीवार। *फोटो : हरिभूमि*

साफ-सफाई की मांग

ग्रामीणों एवं वाहन चालक राजीव यादव, राजकुमार, सुनील कुमार, मनोज यादव, सुधीर यादव, मुकुल ने रेलवे के अधिकारियों से आरयूबी की मरम्मत व साफ सफाई करने की मांग की है। इस बारे में दक्षिण पश्चिम रेलवे बीकानेर के डीसीएम भूपेश यादव ने बताया कि जल्द ही टीम भेजकर निरीक्षण कराया जाएगा और टीम की रिपोर्ट मिलने के बाद शीघ्रता से ही समस्या का समाधान किया जाएगा।

शिक्षकों में एलटीसी नहीं मिलने पर रोष

नारनौल। शिक्षा विभाग में लगे शिक्षकों ने एलटीसी न मिलने पर रोष प्रकट किया है। उन्होंने बताया कि जिला महेंद्रगढ़ में शिक्षकों की एलटीसी की फाइल पिछले छह महीने से भरवा रखी है, लेकिन उन्हें अभी तक एलटीसी नहीं दी गई है, जबकि महंगाई भत्ता 3 प्रतिशत बढ़ चुका है और जनवरी में भी दोबारा महंगाई भत्ता बढ़ाया जाना है। अधिकतर अध्यापकों व प्रवक्ताओं की वेतन वृद्धि भी हो चुकी है, जिसके कारण अगर उन्हें पिछली सैंक्शन फाइल पर पैसा मिलता है तो करीब 8 से 10 हजार रुपए तक का नुकसान होता है। कई प्रवक्ताओं ने बताया कि उन्होंने फाइल जमा कर रखी है, परंतु अभी तक उन्हें अलटीसी का भुगतान नहीं किया गया है। मार्च में उन्हें इनकम टैक्स की रिटर्न भरनी है तथा फरवरी में उसका टैक्स कटवाना है।

अज्ञात बाइक सवार युवकों ने टीचर का बैग छीना

नारनौल। शहर में एक प्राइवेट स्कूल की टीचर का अज्ञात बाइक सवार युवक बैग छीन ले गए। मोहल्ला मिश्रवाड़ा की रहने वाली किरण ने बताया कि वह प्राइवेट स्कूल में टीचर लगी हुई है। बुधवार को वह स्कूल की छुट्टी के बाद रविदास मंदिर मार्ग पर बस से उतरी थी। इसके बाद वह पैदल-पैदल अपने घर जा रही थी। जब वह मोहल्ला महल में गंदे नाले के साथ-साथ चल रही थी तो पीछे से बाइक सवार दो अज्ञात युवक आए। युवकों ने उसके कंधे पर लटका बैग छीन लिया। जिसके बाद वे वहां से फरार हो गए। बता दें कि करीब पांच दिन पूर्व दो बाइक सवार युवाओं ने शहर के मुख्य बाजार से एक लड़की का पर्स भरे बाजार से छीन लिया था। जिसके बाद युवक फरार हो गए थे। वहीं इसके बाद स्कूटी सवार दो युवक एक बुजुर्ग महिला के कानों के सोने के कुंडल भी उतरवा कर ले गए थे।

आज स्कूलों का रहेगा अवकाश विद्यार्थियों को बुलाने पर होगी कार्रवाई

नारनौल। जिले में राजकीय व प्राइवेट विद्यालयों में 23 जनवरी को सर छोटूराम जयंती व बसंत पंचमी के उपलक्ष्य में राजपत्रित अवकाश रहेगा। इस संबंध में खंड शिक्षा अधिकारी ने सभी विद्यालय प्राचार्यों व मुखियाओं को निर्देश जारी किए हैं। खंड शिक्षा अधिकारी की ओर से जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि उक्त तिथि को किसी भी स्थिति में विद्यालयों में शैक्षणिक या गैर-शैक्षणिक गतिविधियों के लिए विद्यार्थियों को नहीं बुलाया जाएगा। आदेश में यह भी उल्लेख किया गया है कि पूर्व में यह देखने में आया है कि कुछ विद्यालय राजपत्रित, स्थानीय, द्वितीय शनिवार या अन्य घोषित अवकाशों के दौरान पढ़ाई के अतिरिक्त अन्य गतिविधियों के नाम पर विद्यार्थियों को विद्यालय बुलाते हैं, जो कि नियमों के खिलाफ है। खंड शिक्षा अधिकारी ने सभी विद्यालय मुखियाओं को चेतावनी दी है कि यदि किसी विद्यालय की ओर से आदेशों की अवहेलना की गई तो संबंधित विद्यालय का मामला उच्च अधिकारियों को भेजा जाएगा, जिसके परिणामस्वरूप विभागीय एवं प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी।

आईटीआई में रोजगार मेला आयोजित

नारनौल। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नारनौल में वीरवार को पीएम नेशनल अप्रेंटिसशिप कम रोजगार मेला आयोजित किया गया। इस अवसर पर एसडीएम अनिरुद्ध यादव मुख्य अतिथि थे। प्रधानाचार्य विनोद खनगवाल ने बताया कि कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग के निर्देशानुसार इस प्रकार के जॉब मेलों का आयोजन समय-समय पर किया जाता रहता है। इसी श्रृंखला में एक जॉब फेयर का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 150 बच्चों ने अपना पंजीकरण कराया तथा 30 बच्चों का विभिन्न कंपनियों में चयन हुआ। मौके पर उप प्रधानाचार्य जीवन कुमार जिंदल, सुनील यादव प्लेसमेंट ऑफिसर, प्लेसमेंट ऑफिसर सुदर्शन, वर्ग अनुदेशक वीरेंद्र शेखवाल, वर्ग अनुदेशक अमित, राजेश, गुरदयाल, मनीषा यादव, सुपरवाइजर सत्यनारायण जांगड़ा आदि मौजूद थे।

राजकीय महाविद्यालय में स्वचालित मौसम केंद्र की स्थापना

महेंद्रगढ़ को मिलेगा अत्याधुनिक स्वचालित मौसम केंद्र

आईआईटीएम पुणे के साथ ऐतिहासिक समझौता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

राजकीय महाविद्यालय में भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) पुणे के सहयोग से स्वचालित मौसम केंद्र की स्थापना की जाएगी। इस संबंध में राजकीय महाविद्यालय महेंद्रगढ़ एवं भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान पुणे के बीच एक महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक समझौता (एमओयू) संपन्न हुआ। भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान, पुणे पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक प्रतिष्ठित स्वायत्त अनुसंधान संस्थान है, जो मौसम, जलवायु एवं पर्यावरणीय विज्ञान के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इस समझौते के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर में स्थापित होने वाला स्वचालित मौसम केंद्र हवा की गति एवं दिशा, तापमान, आर्द्रता (नमी) तथा वायुदाब जैसे महत्वपूर्ण मौसमीय मानकों का निरंतर एवं सटीक रिकॉर्ड करेगा। इन आंकड़ों के आधार पर स्थानीय स्तर पर सटीक मौसम पूर्वानुमान की जानकारी प्राप्त हो सकेगी। समझौता ज्ञापन पर महाविद्यालय प्राचार्य प्रोफेसर विजय यादव तथा भूगोल विभाग के अध्यक्ष प्रो. विकास ने भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान, पुणे के परियोजना वैज्ञानिक नितिग सिंह सहित अन्य वैज्ञानिकों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर दोनों संस्थानों के बीच अकादमिक एवं वैज्ञानिक सहयोग को और अधिक सुदृढ़ करने पर बल दिया गया।

इस स्वचालित मौसम केंद्र की स्थापना से महेंद्रगढ़ जिले को स्थानीय मौसम से संबंधित महत्वपूर्ण एवं विश्वसनीय वैज्ञानिक आंकड़े उपलब्ध होंगे। इन आंकड़ों का उपयोग शोध एवं उच्च शिक्षा, कृषि एवं किसान हित, आपदा प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन अध्ययन तथा शहरी एवं ग्रामीण परियोजनाओं की योजना एवं विकास जैसे विविध क्षेत्रों में किया जा सकेगा। इससे न केवल विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा, बल्कि जिले के समग्र विकास में भी यह केंद्र सहायक सिद्ध होगा।बता दें कि महेंद्रगढ़ क्षेत्र में काफी लंबे समय से मौसम विशेषज्ञ नहीं हैं। जिसके चलते क्षेत्र में मौसमीय मानकों का निरंतर एवं सटीक रिकॉर्ड नहीं मिल पाता था। करीब तीन साल पहले कृषि विज्ञान केंद्र में मौसम विशेषज्ञ तैनात था, लेकिन उसकी बदली हो गई। इसके बाद क्षेत्र में मौसम विशेषज्ञ नहीं हैं।

महेंद्रगढ़। आईआईटीएम पुणे के साथ समझौता करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

यह कहते हैं प्राचार्य

प्राचार्य प्रोफेसर विजय यादव ने कहा कि यह समझौता महाविद्यालय के लिए गौरव एवं उपलब्धि का विषय है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह मौसम केंद्र विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं शोधकर्ताओं के लिए व्यावहारिक शिक्षण एवं अनुसंधान का सशक्त मंच प्रदान करेगा तथा क्षेत्रीय स्तर पर मौसम संबंधी निर्णयों को अधिक वैज्ञानिक एवं प्रभावी बनाएगा। यह पहल राजकीय महाविद्यालय महेंद्रगढ़ को वैज्ञानिक अनुसंधान एवं नवाचार के मानचित्र पर एक नई पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

चतुर्थी पुण्यतिथि

आप विस्तृत हो, विश्वास हो, सन्मुख नहीं पर पास हो,
जिन्दगी के हर मोड़ पर, आप ही जीवन का प्रकाश हो।

स्व. श्री लीलाराम यादव (Retd. BDPO)

स्वर्गवास : 25.01.2022

उनकी चौथी पुण्य स्मृति पर आयोजित

विशाल रक्तदान शिविर

दिनांक : 25 जनवरी, 2026 | समय : प्रातः 9 बजे से सायं 3 बजे तक

स्थान : यादव हॉस्पिटल
नियर कैंची होटल, अटेली मोड़, महेंद्रगढ़।

बलराम यादव

समस्त ग्रामवासी
जांजडियावास

निवेदक
डॉ. के.के. यादव
संचालक यादव हॉस्पिटल

M. 01285298560, 8708042644, 9992510845